राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर — निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 300 | रायपुर, सोमवार 26 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश

यह देश की स्थिति पर विचार करने का अवसर-राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्र के नाम संदेश दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, हम हम, भारत के लोग देश और विदेश में उत्साह के साथ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हैं। गणतंत्र दिवस का यह पावन अवसर हमें हमारे देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य की स्थिति और दिशा पर विचार करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, हमारे स्वतंत्रता संग्राम की ताकत ने 15 अगस्त 1947 को हमारे देश की स्थिति बदल दी। भारत स्वतंत्र हुआ। हम अपने राष्ट्र के भाग्य के स्वयं निर्माता बन गए। 26 जनवरी 1950 से हम अपने गणराज्य को सांविधानिक आदर्शों की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। उस दिन हमारा संविधान पूरी तरह लागू हुआ। भारत, जो लोकतंत्र की जन्मभूमि है, शासन प्रणाली से मुक्त हुआ और हमारा लोकतांत्रिक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान विश्व इतिहास के सबसे बड़े गणराज्य की आधारशिला है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व के आदर्श हमारे गणराज्य को परिभाषित करते हैं। संविधान के निर्माता देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को संविधानिक प्रावधानों के माध्यम से मजबूत आधार प्रदान करने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय महाकवि सब्रमण्यम भारती ने तमिल भाषा में 'वंदे मातरम येन्बोम' अर्थात ' हम वंदे मातरम बोलें' इस गीत रचना करके वंदे मातरम की भावना को और भी व्यापक स्तर पर जनमानस के साथ जोड़ा। अन्य भारतीय भाषाओं में भी इस गीत के अनुवाद लोकप्रिय हुए। श्री ऑरबिंदो ने वंदे मातरम का अंग्रेजी अनुवाद किया। ऋषितुल्य बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम हमारी राष्ट्र-वंदना का स्वर है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, आज से दो दिन पहले यानी 23 जनवरी को देशवासियों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के दिन उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित की। वर्ष 2021 से नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि देशवासी, खासकर युवा, उनकी अदम्य देशभक्ति से प्रेरणा प्राप्त करें। नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नारा 'जय हिंद' हमारे राष्ट्र-गौरव का उद्घोष है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, 'प्यारे देशवासियों, आप सब हमारे जीवंत गणतंत्र को शक्तिशाली बना रहे हैं। हमारी तीनों सेनाओं के बहादुर जवान, मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहते हैं। हमारे कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मी तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवान देशवासियों की आंतरिक सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे अन्नदाता किसान देशवासियों के लिए पोषण सामग्री उत्पन्न करते हैं। हमारे देश के कर्मठ और प्रतिभाशाली महिलाएं अनेक क्षेत्रों में नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने कहा, हमारे सेवाधर्मी डॉक्टर, नर्स और सभी स्वास्थ्य कर्मी देशवासियों के स्वास्थ्य की देखभाल करते हैं। हमारे निष्ठावान सफाई मित्र देश को स्वच्छ रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। हमारे प्रबुद्ध शिक्षक भावी पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। हमारे विश्व स्तरीय वैज्ञानिक और इंजीनियर देश के विकास को नई दिशाएं देते हैं।

बधाई एवं अवकाश सूचना

दैनिक समय दर्शन के समस्त पाठकों को 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर दैनिक समय दर्शन के कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः हमारा अगला अंक 28 जनवरी 2026 को प्रकाशित होगा।

-संपादक

एनएमडीसी NMDC — RESPONSIBLE MINING

सशक्त आधारशिला के साथ आत्मनिर्णय युक्त संप्रभु गणतंत्र

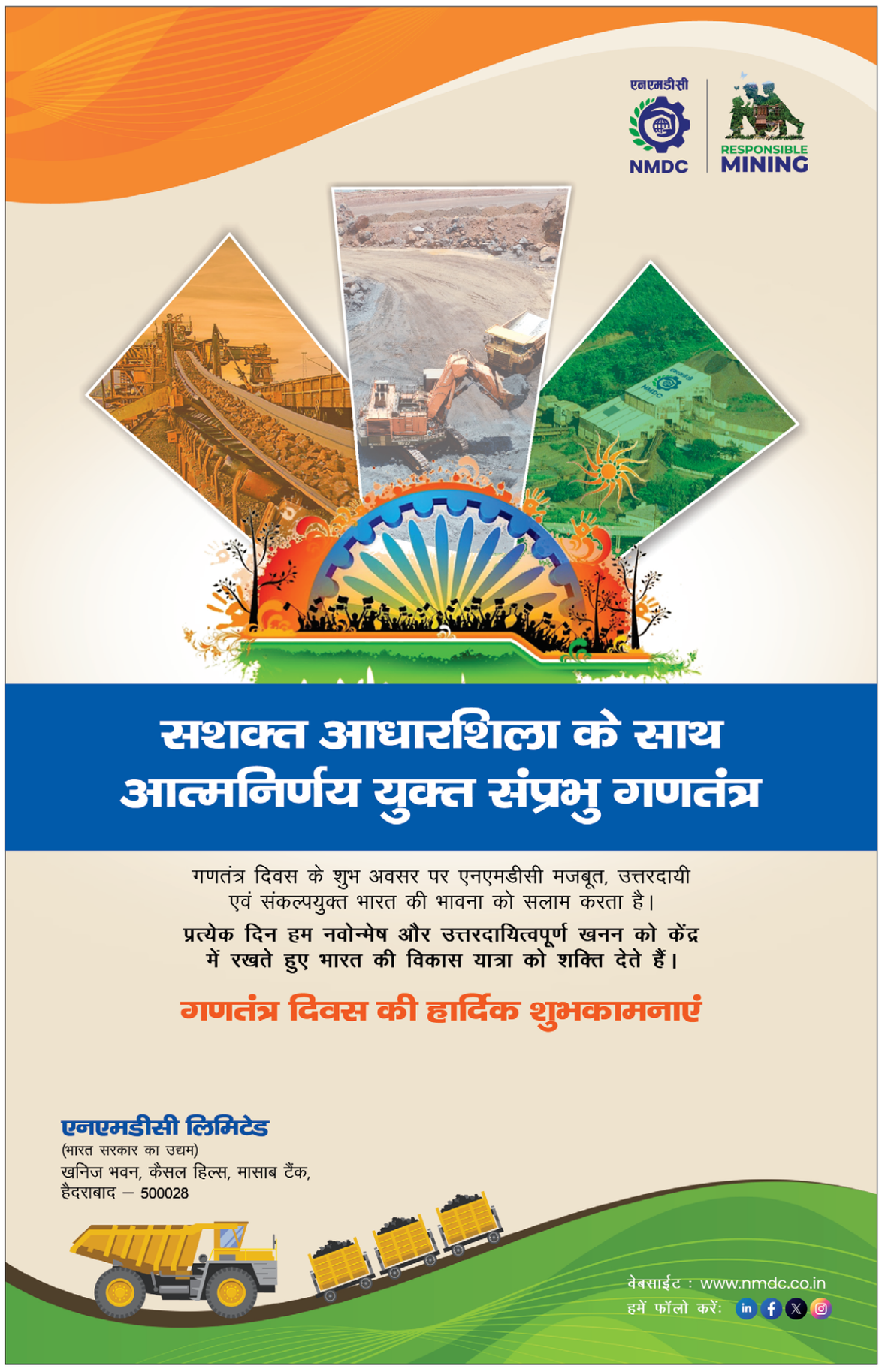

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर एनएमडीसी मजबूत, उत्तरदायी एवं संकल्पयुक्त भारत की भावना को सलाम करता है।

प्रत्येक दिन हम नवोन्मेष और उत्तरदायित्वपूर्ण खनन को केंद्र में रखते हुए भारत की विकास यात्रा को शक्ति देते हैं।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
खनिज भवन, कैसल हिल्स, मासाब टैंक,
हैदराबाद – 500028

वेबसाईट : www.nmdc.co.in
हमें फॉलो करें:

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

संस्कृति का संस्कार रूप साहित्य अमर है

साहित्य, संस्कार, सिनेमा और राष्ट्र बोध के नाम रहा रायपुर साहित्य उत्सव

इस तीन दिवसीय साहित्य उत्सव में विचारों का खुलकर आदान प्रदान हुआ, जिससे लोगों को बहुत सारी बातें सीखने का मौका मिला, पाठकों को नई पुस्तकें पढ़ने का मौका मिला। शब्द का रूप ब्रम्ह है, आजादी के आंदोलनों के समय वंदेमातरम के दो शब्दों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सभी को बांधने का कार्य किया। मन में अनुभूति से ही साहित्य बनता है, कविता में संदेश होना चाहिए। साहित्य हमें आगे बढ़ने का रास्ता दिखाता है, सभी को साहित्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

श्री रमेन डेका
माननीय राज्यपाल

साहित्य किसी राष्ट्र की आत्मा और विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है। छतीसगढ़ के साहित्यों का इतिहास बहुत समृद्ध रहा है। यहां महाकवि कालिदास द्वारा मेघदूतम की रचना की गई, यहां पदुम लाल पुन्नालाल बख्शी, मुक्तिबोध, विनोद कुमार शुक्ल के द्वारा हमारे साहित्य की अविरल धारा को प्रवाहित किया गया है। साहित्य में मानवीय चेतना के अभिन्न अंग रहते हैं, उनको जीवंत करने का कार्य इस उत्सव में किया गया है।

श्री ओपी चौधरी
माननीय वित्त मंत्री

आज फ़िल्म के हिट और फ्लॉप होने की बात अधिक होती है। सिनेमा को देखने का मापदंड बदल गया है। सिनेमा का सामाजिक सरोकार नहीं रहा। सिनेमा आपके प्रश्नों को तभी उठाएगा, जब उससे सिनेमा को बड़ा लाभ होगा। आज के समय में आप चाणक्य नहीं बना सकते। हिंदी सिनेमा में हिंदी का स्तर कहां तक पहुंचा है, यह एक बड़ी चुनौती है। सभी सिनेमा को सरल करने की बात करते हैं, हिंदी में अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग होता है।

डॉ चंद्रप्रकाश द्विवेदी
अभिनेता, निर्देशक
प्रसिद्ध धारावाहिक चाणक्य

सिनेमा एक ऐसा औजार है जो बिगड़े हुए समाज को शेप दे सकता है। अगर हम सिनेमा से सामाजिक सरोकार की अपेक्षा करते हैं, तो बहुत से लेखक-निर्देशक आज भी इस दायित्व को निभाते आ रहे हैं। हम जब भी फ़िल्मों की बात करते हैं, तो पसंद-नापसंद की बात अपने आप ही सामने आ जाती है। फ़िल्में समाज का जरूरी हिस्सा हैं।

श्री अनुराग बसु
फिल्म निर्देशक

छत्तीसगढ़ की माटी की महक से रचा-बसा नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन इन दिनों शब्द, संवेदना और संस्कृति की त्रिवेणी में स्नात होकर एक विराट वैचारिक तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित हो उठा है। तीन दिवसीय 'साहित्य, संस्कार और स्वाध्याय' के इस महाकुंभ में विचारों की अविरल धारा समाज, राष्ट्र और मनुष्यता को आलोकित कर रही है। उत्सव के तीसरे दिन भी साहित्यप्रेमियों का उत्साह देखते ही बनता रहा, जहाँ नागरिकों, छात्रों और शोधार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आयोजन को जन-संवाद का जीवंत स्वरूप प्रदान किया

सुबह से ही सत्रों और परिचर्चाओं के लिए पंजीयन काउंटरों पर दिखाई देती लंबी कतारें साहित्यिक गतिविधियों के प्रति समाज की गहरी रुचि का प्रमाण थीं। उत्सव के विविध सत्रों में साहित्य, संस्कृति, कला, मीडिया और तकनीक जैसे समकालीन विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ, जिसे प्रख्यात वक्ताओं और लेखकों की गरिमामयी उपस्थिति ने और अधिक समृद्ध बनाया।

चिंतन, संवाद और सृजन का यह विराट आयोजन आज 'आदि से अनादि तक' की शाश्वत चेतना को आत्मसात कर संपन्न हुआ। विभिन्न सत्रों में देश के शीर्ष विद्वानों द्वारा झंकृत सामाजिक चिंतन के ये स्वर भारत की बौद्धिक विरासत की ही गूँज हैं। यह आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों की ओर लौटने के लिए प्रेरित करेगा और साहित्य के 'अमर संस्कार' को सदैव ज्ञान, अध्यात्म एवं चेतना की सरिता से अभिसिंचित करता रहेगा।

समापन समारोह छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल रमेन डेका की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जहाँ विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, विख्यात फिल्मकार डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी और अनुराग बसु ने कार्यक्रम की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

उत्सव की मुख्य झलकियां

वैचारिक विमर्श: विनोद कुमार शुक्ल, लाला जगदलपुरी और श्यामलाल चतुर्वेदी जैसे मनीषियों के नाम पर बने मंडपों में संविधान, भारतीय मूल्य, सिनेमा, पत्रकारिता और शासन जैसे विषयों पर गंभीर संवाद हुए।

सांस्कृतिक चेतना

उत्सव के केंद्र में 'नव युग में भारत बोध' और छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ की गूंज रही, जिसने स्थानीय कला और राष्ट्रीय चेतना को एक सूत्र में पिरोया।

लोक नृत्य ने जीता दर्शकों का दिल

पंडवानी गायिका दुर्गा साहू, रायपुर की प्रस्तुति और पंथी नृत्य में वेदप्रकाश माहेश्वरी की प्रस्तुति ने बांधा समा

ओपन माइक में नवोदित कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

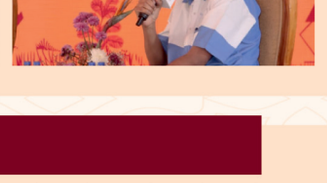

नाट्यशास्त्र और कला परम्परा पर हुआ सार्थक संवाद

राजा चक्रधर सिंह को समर्पित इस सत्र में प्रख्यात वक्ता डॉ. सच्चिदानंद जोशी, डॉक्टर लवली शर्मा,कुलपति और राजेश गनोदवाले हुए शामिल

चित्रकला प्रदर्शनी

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और जनजीवन को दर्शाती विविध चित्रकृतियां प्रदर्शित की गईं

छत्तीसगढ़ी काव्य पाठ

लोकभाषा और संवेदना से सजा साहित्यिक मंच

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

अध्यक्ष सिद्धांशु मिश्रा
अध्यक्ष
बिलासपुर जिला कांग्रेस (शहर)

26 जनवरी गणतंत्र दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

महेंद्र गंगोत्री
अध्यक्ष
बिलासपुर जिला कांग्रेस (ग्रामीण)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

भारत के 77 वें गणतंत्र दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आज हम देश के गणतंत्र का पर्व मना रहे हैं। यह दिन उन स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान का स्मरण करने का अवसर है, जिनकी बदौलत हमें गणतंत्र प्राप्त हुआ। हमारे पूर्वजों ने हमें एक ऐसा संविधान दिया है, जो अंत्योदय के भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, समानता और विकास पहुँचाने का मार्ग दिखाता है।

आज यदि भारतीय लोकतंत्र विश्व में सम्मान के साथ खड़ा है, तो इसके पीछे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने वाले हमारे वीर सपूतों का अमूल्य योगदान है। देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ नक्सलवाद जैसी आंतरिक चुनौतियों से मुकाबला करते हुए हमारे सुरक्षा बल लोकतंत्र को सशक्त बना रहे हैं। इस अवसर पर हम सभी वीर जवानों को सादर नमन करते हैं।

-श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

ए.एम.एन.एस. के सहयोग से बंगाली कैंप तालाब का होगा सौंदर्यकरण, मिलेगी आधुनिक सुविधाएँ

किरंदुल (समय दर्शन)। एस एच अज़हर अमन पथ किरंदुल नगर के बंगाली कैंप में स्थित तालाब के सौंदर्यकरण की मांग नगरवासियों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। यह क्षेत्र का एकमात्र बड़ा सार्वजनिक तालाब है, जहाँ प्रतिवर्ष भगवान गणेश एवं माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। इसके अलावा मुंडन संस्कार सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम भी इसी तालाब परिसर में संपन्न होते हैं।

नगरवासियों की इस महत्वपूर्ण मांग को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह ने ए.एम.एन.एस. के महा प्रबंधक राघवेलू सर एवं प्रोजेक्ट हेड कल्याण सर से मुलाकात कर तालाब के सौंदर्यकरण एवं विकास कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। चर्चा के उपरांत ए.एम.एन.एस. प्रबंधन द्वारा बंगाली कैंप तालाब के सौंदर्यकरण कार्य हेतु सहमति प्रदान की गई।

इसी क्रम में दिनांक 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह, वार्ड पार्षद देवकी ठाकुर, ए.एम.एन.एस. के महाप्रबंधक राघवेलु, तेज प्रकाश सहित अन्य अधिकारियों ने तालाब स्थल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तालाब के सौंदर्यकरण के साथ-साथ प्रकाश व्यवस्था एवं बैठने की सुविधा विकसित किए जाने की जानकारी दी गई।

निरीक्षण के उपरांत विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि बंगाली कैंप स्थित तालाब का सौंदर्यकरण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि विधायक निधि से तालाब के समीप स्थित हनुमान मंदिर के पास बोरिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे क्षेत्रवासियों को पेयजल सुविधा मिल सकेगी।

इस महत्वपूर्ण पहल पर वार्ड पार्षद देवकी ठाकुर ने क्षेत्रीय विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं ए.एम.एन.एस. प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं नगरवासियों ने तालाब सौंदर्यकरण की स्वीकृति को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक अहम कदम बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, महासमुंद ने किया ब्लॉक अध्यक्ष का चयन

शत्रुघ्न भारती बने ब्लॉक अध्यक्ष, संगठन को नई दिशा देने का ऐतिहासिक निर्णय

महासमुन्द (समय दर्शन)। स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ, महासमुंद की ओर से संगठन को और अधिक सशक्त एवं सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया गया।

जिला अध्यक्ष माननीय विनय कुमार प्रधान के नेतृत्व में विधिवत अधिसूचना जारी करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष के चयन का निर्णय लिया गया, जिसका संघ के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

इस अवसर पर शत्रुघ्न भारती को सर्वसम्मति से ब्लॉक अध्यक्ष, महासमुंद के दायित्व के लिए चयनित किया गया। चयन उपरांत ब्लॉक महासमुंद में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास चंद्राकर, डॉ. निखिल चंद्राकर, सुरेन्द्र चंद्राकर (बीपीएम), गिरीश ध्रुव (बीटीईओ), दीपक तिवारी (मलेरिया निरीक्षक) सहित एन. कुमार रात्रे, राजेंद्र सिदार, खिलावन मेहरा, घनश्याम ध्रुव, वैदराज मेहरा, विवेक पटेल, लीलाधर पटेल, योगेश मिश्रा, मनोज सिन्हा, महेश्वर साहू, मोहन पटेल, रमन चंद्राकर, तेजप्रताप ध्रुव एवं समस्त महिला व पुरुष सुपरवाइज़र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मंच संचालन दीपक तिवारी द्वारा किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष शत्रुघ्न भारती को संगठन हित में सक्रिय, समर्पित और संघर्षशील नेतृत्व के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संघ और अधिक संगठित, मजबूत एवं प्रभावशाली बनेगा।

उपरोक्त प्रेस विज्ञप्ति एन. कुमार रात्रे के माध्यम से जारी की गई। संघ संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ दीं।

मतदाताओं को मतदान के लिए रैली निकालकर किया जागरूक :

साजा (समय दर्शन)। शासकीय हाई स्कूल दर्री में लोकतंत्र को मजबूत बनाने व अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों व ग्रामीणों को मतदान के महत्व और मतदाता के अधिकारों कर्तव्यों की जानकारी दी गई। मतदान केवल एक अधिकार नहीं बल्कि एक जिम्मेदार भी है। विद्यार्थियों को भविष्य के जिम्मेदार मतदाता बनने के लिए प्रेरित करते हुए यह संदेश दिया कि प्रत्येक पात्र नागरिकों को बिना किसी भय, प्रलोभन या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा नारे लेखन, संकल्प दिलाने तथा जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोकतंत्र में सहभागिता का महत्व बताया गया। कार्यक्रम के अंत में शत प्रतिशत मतदान का संकल्प दिलाया गया । इस दौरान शाला विकास समिति अध्यक्ष एवं प्रबंधन समिति दर्री नारायण सिंह, मीडिया प्रभारी वासु सिंह बैस, रोहित साहू, जनक साहू, प्रभारी प्राचार्या दिनेश्वरी लहरे , प्रधान पाठक राजकुमा ध्रुवे, शिक्षक भवानी नेताम,गोविंद सोनकर, व्याख्याता रीना कांता लकड़ा, व्याख्याता संगीता अनंत, विज्ञान सहायक खूबेश्वर ध्रुव,अंजनी मिर्झा, सहायक शिक्षक सालिक राम पाल , शिक्षिका दुर्गा सेन, छात्र-छात्राएं व ग्रामावासी उपस्थित रहे ।

ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित बाघामुडा के समिति प्रभारी पर एफआई आर दर्ज

जांच में 3304 कट्टा धान कम पाया गया

कलेक्टर के निर्देश पर अनियमितता में संलग्न पाए जाने पर सतत कार्रवाई जारी

महासमुन्द (समय दर्शन)। ग्रामीण सेवा सहकारी समिति मर्यादित बाघामुडा के समिति प्रभारी श्री प्रेमसिंग ध्रुव पर अनियमितता पाए जाने पर एफआई आर दर्ज किया गया है। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर समिति का अधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया गया, जांच प्रतिवेदन मय पंचनामा में उपार्जन केन्द्र बाधामुडा का आनलाईन रिपोर्ट के अनुसार 1,25,878 कटटा धान उपार्जन केन्द्र में उपलब्ध होना प्रदर्शित हो रहा था ,जबकि भौतिक सत्यापन में 1,22,574 कटटा मौके पर धान खरीदी केन्द्र के फ्ड पर पाया गया । जो आनलाईन रिकार्ड और भौतिक सत्यापन पर 3304 कटटा धान कम पाया गया जिसका समर्थन मूल्य 3100 रूपये की दर से 40,96,960 रूपये की राशि कम होना पाया गया। इस आधार पर धान खरीदी समिति प्रभारी प्रेमसिंग ध्रुव के द्वारा वित्तीय अनियमितता कर शासन को जानबूझकर आर्थिक क्षति पहुंचाया गया है।

डिप्टी कलेक्टर के जांच में धान उपार्जन केन्द्र बाधामुडा में 1,25,878 कटटा (50351.20 क्विंटल) खरीदी किया जाना पाया गया एवं प्रभारी समिति प्रबंधक बाघामुडा प्रेमसिंग ध्रुव एवं अन्य सहकर्मी की उपस्थिति में धान फ्ड के प्रत्येक स्टेक की गिनती की गई ,जिसमें 74 धान का स्टेक पाया गया। स्टेक के गिनती करने पर कुल 1,22,574 कटटा मौके धान खरीदी केन्द्र के फ्ड पर पाया गया। धान उपार्जन केन्द्र बाधामुडा में 3304 कटटा (1321.6 क्विंटल) धान कम पाया गया। उक्त अनियमितता के लिए समिति प्रभारी प्रेमसिंग ध्रुव द्वारा जानबूझकर शासन को हानि पहुंचाया गया ,जिसके विरूध्द कोमाखान थाने में शनिवार को एफ्आईआर दर्ज किया गया।

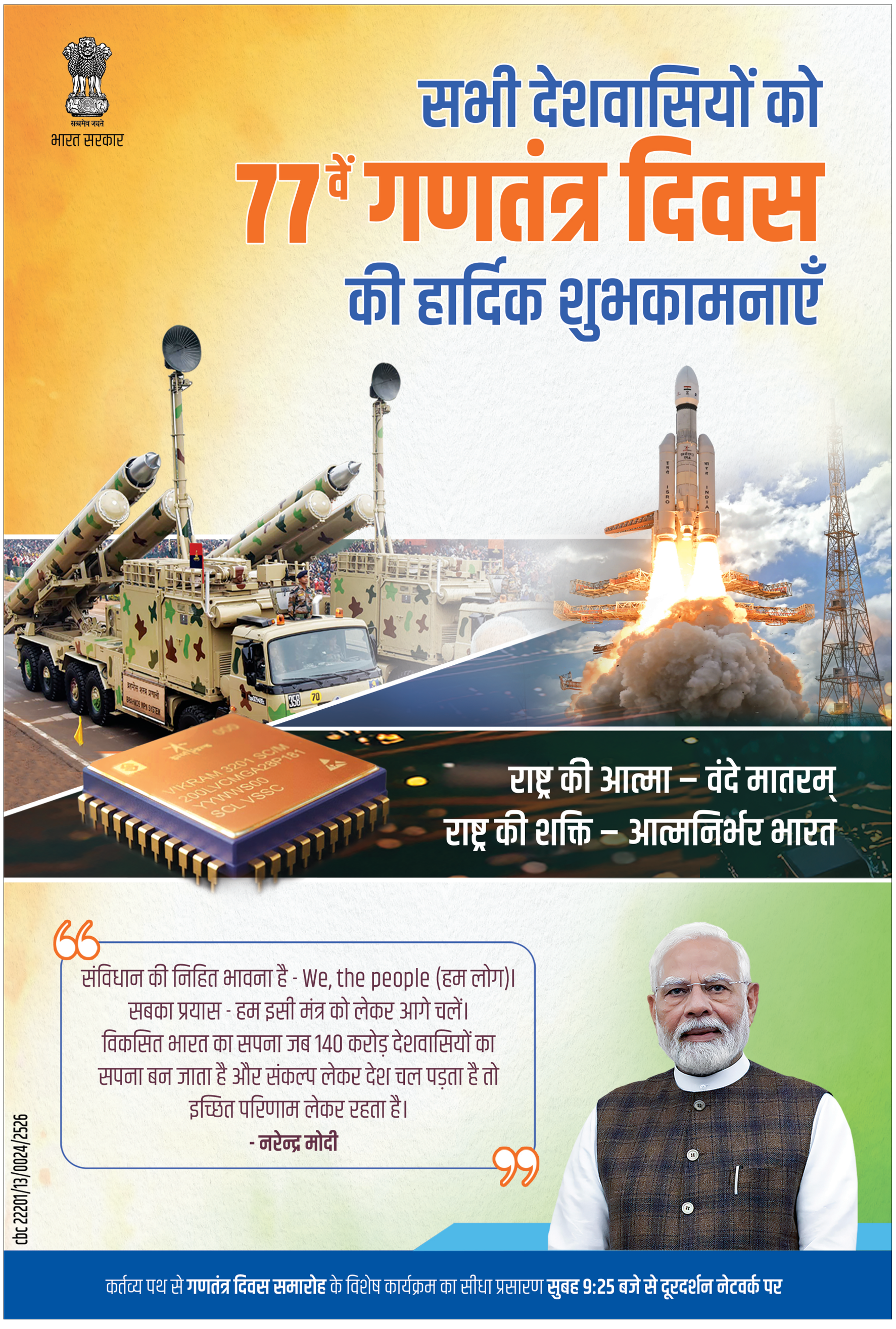

संपादकीय

भारतीय छात्रों को एक और झटका

जिन देशों में पहले भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? भारतीय छात्र जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। फिर भी उनकी एंट्री क्यों कठिन होती गई है। विदेश जाकर पढ़ने की हसरत रखने वाले भारतीय छात्रों को एक और झटका लगा है। इस बार खबर ऑस्ट्रेलिया से आई है, जहां भारतीय छात्रों की वीजा अर्जी को उच्चतम जोखिम श्रेणी में डाल दिया गया है। इस फैसले के साथ ऑस्ट्रेलिया ने भारत को उसी श्रेणी में रख दिया है, जहां पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल पहले से हैं। उन्होंने इसका कारण बताया है- भारतीय छात्रों की 'विश्वसनीयता संबंधी' बढ़ा जोखिम। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक भारत में फर्जी डिग्री संबंधी घोटालों के हुए खुलासों की अंतरराष्ट्रीय मीडिया में खूब चर्चा हुई। अब उसका नतीजा सामने आया है। इसके पहले भारतीय छात्रों के लिए कनाडा ओर ब्रिटेन जाना भी कठिन हुआ है। पिछले वर्ष कनाडा ने भारतीय छात्रों के लिए जारी होने वाले वीजा में 31 प्रतिशत कटौती की। साथ ही जीवन यापन शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। ब्रिटेन में भारतीय छात्रों के लिए वीजा एवं ई-वीजा शुल्क में बढ़ोतरी की गई है। साथ ही अब सिर्फ पीएचडी और रिसर्च छात्र ही अपने जीवनसाथी या बच्चों को ब्रिटेन ले जा सकेंगे। वीजा पाने के लिए आमदनी का पहले से अधिक बड़ा स्रोत उन्हें दिखाना होगा। अमेरिका में तमाम विदेशी छात्रों के लिए हालात जिस तरह बिगड़े हैं, वे अब रोजमर्रा की सुर्खियां हैं। उनसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित भारतीय छात्र ही हुए हैँ। मुद्दा यह है कि जिन देशों में अभी कुछ वर्ष पहले तक भारतीय छात्रों को प्रतिभाशाली एवं शिष्ट समझा जाता था, वहां उनके प्रति नजरिया क्यों बदल गया है? विदेशी छात्र उन तमाम देशों के शिक्षा क्षेत्र में आय का बड़ा स्रोत हैं। भारतीय छात्र भी वहां जाकर अपना ही पैसा खर्च करते हैं। इसके बावजूद उनकी एंट्री कठिन बना दी गई है। क्या इसका संबंध उन देशों में भारत की बदली छवि से है? या वहां भारतीयों के व्यवहार ने स्थानीय आवाम एवं सरकारों के कान खड़े किए हैं? भारतवासियों को इन प्रश्नों पर गंभीरता से आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। कोई भी देश अपने यहां किसे किन शर्तों पर आने देगा, यह तय करना उसका अधिकार है। भारतीयों अगर वहां जाना है, तो उन्हें उनकी कसौटियों पर खरा उतरना होगा।

भारत को जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा

हरिशंकर व्यास

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर यूरोपीय संघ के दो शीर्ष नेता या पदाधिकारी मुख्य अतिथि है। यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुईस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लियेन मुख्य अतिथि हैं। 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस की परेड के अगले दिन 27 जनवरी को बताया जा रहा है कि दोनों के बीच व्यापार संधि हो सकती है। यह भारत की स्वतंत्र व व्यापार नीति के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। ध्यान रहे भारत पहले ही ब्रिटेन के साथ व्यापार संधि कर चुका है और ब्रिटेन व यूरोपीय संघ से इतर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ भी व्यापार संधि की है। लेकिन सवाल है कि इससे भारत को क्या बड़ा बाजार मिल रहा है और भारत किन उत्पादों का निर्यात करके इन संधियों का अधिकतम लाभ उठा सकता है? ध्यान रहे इससे पहले जब भी किसी व्यापार संधि की खबर आती है तो बाहर से आने वाली चीजों के भारत में सस्ता होने की खबर उसमें होती है। जैसे न्यूजीलैंड के साथ व्यापार संधि होने की खबर आई तो बताया गया कि वहां के सेब, कीवी आदि फल, कुछ खास शराब और कुछ डेयरी उत्पाद भारत में सस्ते हो सकते हैं। भारत की ओर से न्यूजीलैंड को क्या बेचा जाएगा और उससे भारत को कितनी विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी, यह बड़ा सवाल है। यह सब जानते हैं कि भारत के लोग उपभोक्ता हैं। भारत 140 करोड़ लोगों का बाजार है। उस बाजार में दुनिया भर के देश अपना माल खपाना चाहते हैं। लेकिन भारत के पास क्या माल है, जिसे वह विश्व बाजार में खपा सकता है? क्या भारत इन संधियों का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार भी है या फिर ये संधियां सिर्फ दिखावा है? यह सवाल इसलिए भी है क्योंकि ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड तक भारत व्यापार संधि तो कर रहा है लेकिन इन देशों में भारतीयों के प्रति नफरत बढ़ती दिख रही है। भारतीयों के खिलाफ घृणा अपराधों में बेहिसाब बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मूल के लोगों के साथ साथ छात्र भी निशाने पर हैं। एक तरफ जर्मनी या दूसरे देशों के साथ भारतीयों के लिए वीजा के नियम आसान करने की बात हो रही है तो दूसरी ओर उन देशों में भारतीयों पर हमले तेज हो रहे हैं। व्यापार संधि करते हुए हमेशा इस पहलू का ध्यान रखना चाहिए। बहरहाल, अगर भारत तैयारी करे तो यूरोपीय संघ के साथ व्यापार संधि का बड़ा लाभ उसे मिल सकता है। लेकिन अभी तक मेक इन इंडिया अभियान कुल मिला कर असेंबल इन इंडिया बन कर रह गया है। भारत में स्टार्ट अप योजना के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाया जा रहा है और मेक इन इंडिया के भी लगभग एक दशक हो गए हैं लेकिन इनसे ऐसा कुछ नहीं बना है कि भारत दुनिया के बाजार में अपना परचम लहरा सके। चीन अब भी दुनिया की फैक्टरी बना हुआ है। दुनिया के देशों के साथ उसका ट्रेड सरप्लस 1.2 ट्रिलियन डॉलर है यानी भारत की जीडीपी के लगभग एक तिहाई के बराबर इसका विदेशी व्यापार का सरप्लस है। सो, इस बात का ध्यान रखना होगा कि हर देश के साथ मुक्त व्यापार की संधि भारत के लिए व्यापार घाटा बढ़ाने वाली नहीं हो। कहीं ऐसा न हो कि देश के 140 करोड़ लोगों को सस्ती चीजें तो मिलें लेकिन भारत पूरी तरह से उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था बन जाए। मुक्त व्यापार संधियों का लाभ लेने के लिए भारत में विनिर्माण सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा खड़ा करना होगा।

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

प्रो. संजय द्विवेदी

आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना।

आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी ज़ज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफ्लताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।

आकांक्षावान भारत का उदयः भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं।

कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नज़र आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए।

अंतिम आदमी का कीजिए विचार- गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं। हमें सोचना होगा कि गणतंत्र के इन वर्षों में उस आखिरी आदमी के लिए हम कितनी जगह और कितनी संवेदना बना पाए हैं। प्रगति और विकास के सूचकांक तभी सार्थक हैं, जब वे आम आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने में समर्थ हों। क्या ऐसा कुछ बताने और कहने के लिए हमारे पास है? यदि नहीं...तो अभी भी समय है भारत को महाशक्ति बनाना है, तो वह हर भारतीय की भागीदारी से ही सच होने वाला सपना है। देश के तमाम वंचित लोगों को छोड़कर हम अपने सपनों को सच नहीं कर सकते। क्या हम इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हैं।

तलाशिए सवालों के जवाबः गणतंत्र दिवस इन तमाम सवालों के जवाब खोजने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। बीते समय में आतंकवाद, नक्सलवाद, क्षेत्रीयता की तमाम गंभीर चुनौतियों के सामने हमारा तंत्र बहुत बेबस दिखा। बावजूद इसके लोकतंत्र में जनता की आस्था बची और बनी हुयी है। हमारी एकता को तोड़ने और मन को तोड़ने के तमाम प्रयासों के बावजूद आम हिंदुस्तानी अपनी समूची निष्ठा से इस देश को एक देखना चाहता है। यह संकल्प लेना होगा कि हम लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को जगा पाएं। उनकी उम्मीदों पर अवसाद की परतें न चढ़ने दें। सपनों में रंग भरने की हिम्मत, ताकत और जोश से भरा हो- आम हिंदुस्तानी तो इसी सपने को सच होते हुए देखना चाहता है। यह संयोग ही है कि नया साल और गणतंत्र दिवस हम एक ही महीने जनवरी में मनाते हैं। जाहिर तौर पर हर नए साल का मतलब कलैंडर का बदलना भर नहीं है वह उत्सव है संकल्प का, अपने गणतंत्र में तेज भरने का। आम आदमी में जो भरोसा टूटता दिखता है उसे जोड़ने का। गणतंत्र को तोड़ने या कमजोर करने में लगी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेरने का। जनवरी का महीना इसीलिए बहुत खास है क्योंकि यह महीना देश की अस्मिता को पहली बार झकझोर कर जगाने वाले सन्यासी विवेकानंद की जन्मतिथि(12 जनवरी) का महीना है। जिन्होंने पहली बार भारत के दर्शन को विश्वमंच पर मान्यता ही नहीं दिलायी हमारे दबे-कुचले आत्मविश्वास को जागृत किया। यह महीना है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) का जिन्होंने विदेशी सत्ता के दांत खट्टे कर दिए और विदेशी भूमि पर भारतीयों के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सेना खड़ी की। जाहिर तौर पर यह महीना सही संकल्पों और महानायकों की याद का महीना है। इससे हमें प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की जरूरत है। नए साल का सूरज हमें एक नयी रोशनी दे रहा है उसका उजास हमें नई दृष्टि दे रहा है। क्या हम इस रोशनी से सबक लेकर, अपने महानायकों की याद को बचाने और देश को महाशक्ति बनाने के सपने के साथ खड़ा होने का हौसला दिखाएंगें?

गणतंत्र के 76 वर्ष : संविधान की आत्मा और लोकतंत्र का यथार्थ

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष की भांति एक बार फिर गणतंत्र दिवस हमारी राष्ट्रीय चेतना के द्वार पर उपस्थित है। यह दिन प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी के लिए स्वाभाविक रूप से गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है क्योंकि 26 जनवरी 1950 को भारत ने औपनिवेशिक दासता से मुक्त होकर अपने ही द्वारा निर्मित संविधान को आत्मसात किया था और स्वयं को प्रभुता संपन्न, सार्वभौमिक, प्रजातंत्रात्मक गणराज्य घोषित किया था। यह केवल एक संवैधानिक घटना नहीं थी बल्कि भारत की ऐतिहासिक चेतना, संघर्षशील आत्मा और स्वशासन की आकांक्षा का औपचारिक उद्घोष था। किन्तु इस ऐतिहासिक गौरव के समानांतर एक कड़वा यथार्थ भी हमारे सामने खड़ा है। समय के साथ गणतंत्र दिवस का महान उद्देश्य धीरे-धीरे औपचारिकताओं और रस्म अदायगी तक सीमित होता चला गया है। जिस भावना के साथ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाने की परंपरा आरंभ हुई थी, उसका मूल आशय था कि प्रत्येक नागरिक इस दिन संविधान की गरिमा की रक्षा, राष्ट्रहित के प्रति निष्ठा और देशसेवा के प्रति अपने दायित्वों को न केवल दोहराए बल्कि उन्हें अपने आचरण में भी उतारे। विडंबना यह है कि आज हम इस गौरवपूर्ण अवसर पर संवैधानिक मूल्यों के प्रति संकल्प लेने के बजाय मात्र उन्हें स्मरण कर आत्मसंतोष कर लेते हैं। झंडारोहण, परेड और भाषणों के बाद जैसे हमारे कर्त्तव्य और उत्तरदायित्व समाप्त हो जाते हैं। गणतंत्र दिवस यदि केवल उत्सव बनकर रह जाए और संवैधानिक चेतना व्यवहार में न उतरे तो यह गणतंत्र की आत्मा के साथ अन्याय ही कहा जाएगा।

सही मायनों में गणतंत्र की मूल भावना को हमने आज तक समझा ही नहीं है। 'गणतंत्र' का अर्थ है शासन तंत्र में जनता की भागीदारी। हालांकि हम कह सकते हैं कि शासन तंत्र में जनता को पूर्ण भागीदारी मिली है किन्तु क्या यह वाकई पूर्ण सत्य है? देश का संविधान लागू होने के इन 76 वर्षों में भी क्या वास्तव में शासन तंत्र में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हुई है? जनता को यह तो अधिकार है कि मतदान के जरिये वह अपना जनप्रतिनिधि चुने किन्तु एक बार संसद अथवा विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद अगले पांच वर्षों तक इन जनप्रतिनिधियों पर उसका क्या कोई अंकुश रह जाता है? वास्तविकता यही है कि इसी प्रावधान का लाभ उठाते हुए राजनीतिक दल देश की जनता का चुनाव के समय महज एक वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते आए हैं और अपना मतलब निकलने पर जनप्रतिनिधियों पर जनता के दुख-दर्द के बजाय अपने लिए सुख-सुविधाओं का अंबार जुटाने की चिंता सवार हो जाती है और वे इसी कवायद में जुट जाते हैं कि येन-केन-प्रकारेण अगले चुनाव के लिए कैसे करोड़ों रुपयों का इंतजाम किया जाए। अहम सवाल यह है कि जिस राष्ट्र में जनता की भागीदारी चुनाव में सिर्फ वोट डालने और उसके बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों के आचरण से शर्मसार होकर आंसू बहाने तक ही सीमित रह गई हो, वहां 'गणतंत्र' का भला क्या महत्व रह गया है? खासतौर से ऐसी स्थिति में, जब गरीबी व भुखमरी से त्रस्त करोड़ों लोग चंद रुपयों की खातिर या लाखों लोग महज दो-चार शराब की बोतलों के लिए अपने वोट बेच डालते हों या ईवीएम के दौर में भी कुछ मतदान केन्द्रों पर गुंडागर्दी के बल पर वोट डलवाये जाते हों?

हालांकि इसमें कोई संशय नहीं कि हमें विशुद्ध रूप में एक प्रजातांत्रिक संविधान प्राप्त हुआ है, जिसमें प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक समुदाय, प्रत्येक सम्प्रदाय के लोगों के लिए बराबरी के अधिकार के साथ-साथ व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से कुछ मूलभूत स्वतंत्रताओं की व्यवस्था भी की गई है, प्रत्येक नागरिक के लिए मूल अधिकारों का प्रावधान किया गया है किन्तु गणतांत्रिक भारत में पिछले 76 वर्षों के हालातों का विवेचन करें तो यही पाते हैं कि हमारे कर्णधार एवं नौकरशाह किस प्रकार संविधान के कुछ प्रावधानों के लचीलेपन का अनावश्यक लाभ उठाकर कदम-कदम पर लोकतांत्रिक मूल्यों को तार-तार करते रहे हैं। निसंदेह इससे लोकतंत्र की गरिमा प्रभावित होती रही है। संविधान निर्माताओं ने कभी इस बात की कल्पना नहीं की होगी कि जिन लोगों के कंधों पर संविधान को लागू कराने की जिम्मेदारी होगी, वही इसके प्रावधानों का मखौल उड़ाते नजर आएंगे। ऐसी दयनीय परिस्थितियों को देखकर निश्चित रूप से संविधान निर्माताओं की आत्मा खून के आंसू रोती होगी।

वक्त-बेवक्त संसद और विधानसभाओं के भीतर होती गुंडागर्दी सरीखी घटनाएं दुनियाभर में हमें शर्मसार करती रही हैं। जिस राष्ट्र में कानून बनाने वाले और देश चलाने वाले लोग ही असभ्य हरकतें करने लगें, वहां अपराधों पर अंकुश लगाने की किससे अपेक्षा की जाए? संसद-विधानसभा सरीखे लोकतंत्र के सर्वोच्च मंदिरों में अपराधियों व बाहुबलियों का निर्बाध प्रवेश क्या एक स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत है? चुनाव जीतने के लिए आज हर राजनीतिक दल में ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने, चुनाव जीतने के लिए उनका इस्तेमाल करने के अलावा उन्हें ही पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़वाकर अपनी सीटें बढ़ाने के फेर में ऐसे दागी लोगों को लोकतंत्र के मंदिरों में प्रवेश दिलाने की होड़ सी लगी है। संसद और विधानसभाओं में धड़ाधड़ प्रवेश पाते अपराधियों का संख्या बल देखें तो यह 'प्रजातंत्र' या 'गणतंत्र' कम, 'अपराधतंत्र' अधिक लगने लगा है। अदालतें जब भी संसद या विधानसभाओं में अपराधिक तत्वों का प्रवेश रोकने की दिशा में कुछ सार्थक पहल करने की कोशिश करती हैं, तमाम राजनीतिक दल उसे संसद के अधिकार क्षेत्र में न्यायिक दखलंदाजी करार देते हुए हो-हल्ला मचाने लगते हैं।

राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सांसदों-विधायकों की रुचि लगातार कम हो रही है। प्रत्येक संसद सत्र में हंगामा व शोरशराबा करके संसद का बेशकीमती समय नष्ट कर देना जैसे एक परम्परा बन चुकी है। सदन से बहुत से सदस्य लंबे-लंबे समय तक गैरहाजिर रहते हैं। सर्वसम्मति के अभाव में देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण बिल लंबे समय तक लटके पड़े रहते हैं लेकिन आश्चर्य की बात है कि जब जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते अथवा अन्य ऐशोआराम की सुविधाएं बढ़ाने की बात आती है तो पूरा सदन एकजुट हो जाता है और ऐसे मामलों में पलक झपकते ही सर्वसम्मति बन जाती है। तब सदन में सदस्यों की उपस्थिति संख्या भी देखते ही बनती है। एक समय था, जब संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक बहस होती थी लेकिन अब हर संसद सत्र हंगामे और शोरशराबे की भेंट चढ़ जाता है। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि संसद का एक-एक मिनट बहुमूल्य होता है। संसद के प्रत्येक मिनट के कामकाज पर ढ़ाई लाख रुपये से अधिक खर्च होते हैं अर्थात् आठ घंटे की संसद की कार्रवाई पर बारह करोड़ रुपये से भी अधिक खर्च होते हैं। आए दिन इसी तरह संसद में हंगामे होने, सदन की कार्रवाई का बहिष्कार करने या सदन की कार्रवाई दिनभर के लिए स्थगित होने से देश को कितना आर्थिक नुकसान होता है, इसका अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है। संसद अथवा विधानसभाओं की कार्रवाई पर होने वाला यह भारी-भरकम खर्च जनप्रतिनिधियों की जेबों से नहीं निकलता बल्कि इसका सारा बोझ देश की आम जनता वहन करती है। बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि 'गणतंत्र' की जो तस्वीर हमारे जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत की जा रही है, क्या हम उस पर गर्व कर सकते हैं? गणतंत्र दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर को इतनी धूमधाम से मनाए जाने का सही लाभ तभी है, जब न केवल देश का प्रत्येक नागरिक बल्कि बड़े-बड़े राजनेता और नौकरशाह भी संविधान की गरिमा को समझें और उसके अनुरूप अपने आचरण में पारदर्शिता भी लाएं।

बड़े पैमाने पर निर्माण, निश्चितता के साथ कार्य पूर्णता

विनायक पाई

पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है—ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम-उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है।

आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म-आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है—एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग-अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।

अलग-अलग परियोजनाओं के बजाय, प्रणाली की सहायता से पैमाने का विस्तार

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है।

इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है - सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति — गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जवाबदेही को संस्थागत रूप देना: समीक्षा से समाधान तक

इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है - समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरुआत से जटिल, अंतर-मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।

यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक है: विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं—जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं—अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है - तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन।

उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

गांजा तस्करों ने पुलिस की गाड़ी को ठोका, पुलिसकर्मियों ने कूदकर बचाई जान

घेराबंदी के बाद कार छोड़कर भागे तस्कर

सांकरा (समय दर्शन)। सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम सलडीह से डोंगरीपाली कच्चे मार्ग पर शुक्रवार रात ओडिशा से 20 लाख का गांजा लेकर आ रही इको कार ने पीछा कर रही पुलिस की एक निजी कार को वापस मुड़कर तेज रफ्तार से टक्कर मार दी। इतना ही नहीं, तस्करों ने अपनी कार को रिवर्स कर 2 बार और पुलिस वाहन को जोरदार ठोका। कार में सवार 5 पुलिसकर्मियों ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद उनकी कार में आग लग गई। वहीं दूसरी ओर गांजा तस्कर मौके व अंधेरे का फायदा उठाकर अपना वाहन छोड़ फरार हो गए। तस्करों के वाहन से पुलिस ने 19 लाख 84 हजार का गांजा बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मुखबीर से सूचना मिली थी कि ओड़िशा की ओर से एक सफेद रंग की इको कार क्रमांक एमपी-05 जेडई-8685 गांजा लेकर सांकरा के सीमावर्ती गांवों से होते हुए रायपुर की ओर जाने वाली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई। शासकीय वाहन खराब होने के कारण एक आरक्षक की निजी कार होंडा सिटी सीजी-04 एचडी-8925 से पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई। ग्राम सलडीह में संदिग्ध वाहनों की जांच के दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक इको कार को उन्होंने रोकने का प्रयास किया तो पुलिस को देख तस्करों ने अपनी कार सलडीह से डोंगरीपाली जाने वाले कच्चे मार्ग की ओर मोड़ दी।

इस पर पुलिस ने अपनी कार से उनका पीछा किया। गांव के बाहर निकलने के बाद कच्चे मार्ग पर तस्कर अचानक अपनी कार मोड़कर पुलिस वाहन की ओर तेज रफ्तार से आने लगे। उसे रोकने के लिए पुलिस ने अपनी कार सड़क पर खड़ी कर दी। लेकिन रूकने के बजाय तस्करों ने पुलिस वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इससे पहले कि पुलिस टीम वाहन से निकल पाती, तस्करों ने अपनी कार रिवर्स कर पुलिस वाहन को दो बार और ठोक दिया। हालांकि तब तक पुलिसकर्मी अपने वाहन से बाहर निकल आए, लेकिन इसके ठीक बाद उनकी कार में आग लग गई। इस हादसे में सभी जवान सुरक्षित हैं। घटना के बाद तस्कर फरार हो गए।

पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में घटनास्थल पर छोड़ी गई इको कार की तलाशी ली, जिसमें से 39.680 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 19 लाख 84 हजार रुपए है। वहीं घटना में प्रयुक्त कार की कीमत लगभग 8 लाख रूपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा व कार को जब्त कर लिया है। वहीं आरोपियों के विरुद्ध धारा 324(5), 132, 109 बीएनएस एवं 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। फरार तस्करों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की जा रही हैं।

संक्षिप्त-खबर

पिथौरा जन सम्पर्क कार्यालय मे भाजपा नेताओ ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

पिथौरा(समय दर्शन)। विधायक जनसंपर्क कार्यालय पिथौरा में मा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात के 130 वे एपिसोड का श्रवण किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष विजयराज पटेल, किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डड़सेना, विधायक प्रतिनिधि पुष्पराज गजेन्द्र, सुमित अग्रवाल , रविंदर अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री ,जीवन ताँड़ी जिला कोषाध्यक्ष, निशु माटा ,तुकाराम पटेल ,युवा मोर्चा महामंत्री सौरभ अग्रवाल ,संजय गोयल ,कुलजीत आज़मानी ,नानू सोनी अभिषेक वैष्णव, सतीश ध्रुव ,सागर पटेल सौरभ अग्रवाल ,आर के ओमप्रकाश बरिहा ,कृष्णा ध्रुव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संस्कार नहीं गंदी व्यावसायिक मानसिकता से चलता है नर्सिंग होम

बिलासपुर (समय दर्शन)। देश में बढ़ें नागरिक संख्या पर एक डॉक्टर की स्थिति है जब पूरा समाज पैसे को ही प्राथमिकता दे रहा है। तो डॉक्टर को ईश्वर का दूसरा स्वरूप कहना बेकार है। गली गली, मोहल्ले मोहल्ले, ब्लॉक ब्लॉक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल खुले हैं। सरकार का दावा है इलाज आयुष्मान कार्ड से होता है डॉक्टर कहते हैं नहीं इलाज तो हमारे डिग्री के दर्शन से होता है। बिलासपुर सिम्स स्थित संविदा डॉक्टर एक साथ तीन-तीन, चार चार जिलों के अस्पतालों को सेवा प्रदान करते हैं। असल में इन अस्पतालों में वे केवल अपने सर्टिफिकेट देते हैं। निर्धारित दिन निर्धारित समय यह महान युवा चिकित्सक उसे अस्पताल में हो जरूरी नहीं है कई बार तो उनके नाम के कारण एंबुलेंस वाला मरीज को अस्पताल ले जाता है। अस्पताल में उपस्थित नीम हकीम, खतरे जान मरीज को डॉक्टर आ रहे हैं कह कर ओटी में ले लेता है और उसके बाद मरीज ओटी से जिंदा नहीं निकलता। बलौदा बाजार कशडोल, मस्तूरी, जांजगीर-चांपा में ऐसे कई उदाहरण है। मरिज पैदल चलकर अस्पताल पहुंचा और ऐसे डॉक्टरों की कृपा से उसका पार्थिव शरीर ओटी से बाहर आया। वर्तमान में ऐसे ही अपराधिक प्रकरण की जांच गिधौरी थाना में हो रही है कुछ षड्यंती जेल में है केवल शैक्षिक प्रमाण पत्र अस्पताल में जमा करने वाले डॉक्टर मजे से बाहर घूम रहे हैं और दावा करते हैं कि संबंधित ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी और व्यवस्था तो उनकी जेब में है। कुछ चिकित्सक तो संबंधित विभाग के मंत्री को अपना मितान भी बना देते हैं।

श्री हरि राइस मिल में कार्रवाई, 21,902 क्विंटल धान जब्त

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देश पर जिले में अवैध धान भंडारण, कोचियों-बिचौलियों एवं राइस मिलों पर राजस्व एवं खाद्य विभाग द्वारा सतत जांच एवं छापेमारी कार्रवाई की जा रही है। जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू ने बताया कि 23 जनवरी 2026 को विकासखंड बलौदा के ग्राम पंचायत कुदरी स्थित श्री हरि राइस मिल में खाद्य विभाग की टीम द्वारा अचानक छापेमारी की गई। जांच के दौरान राइस मिल संचालक श्री अभिनव राठौर मौके पर उपस्थित थे। भौतिक सत्यापन के दौरान राइस मिल में 545 बोरा धान (कुल 218 क्विंटल) की कमी पाई गई। साथ ही मिल के रिकॉर्ड संधारण एवं मिल संचालन में अनियमितता पायी गई। जांच कार्यवाही में टीम द्वारा 54,755 बोरा धान (कुल 21,902 क्विंटल) को प्रशासनिक अभिरक्षा में लिया गया एवं अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में कोचियों, बिचौलियों एवं राइस मिलों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अवैध धान को समिति स्तर पर खरीदी में खपाने से रोकने के उद्देश्य से राजस्व, खाद्य, मंडी एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त उड़नदस्ता टीम द्वारा नियमित सत्यापन, गश्त एवं छापेमारी कार्यवाही निरंतर जारी है।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी जांगीर में बाल वाटिका वर्ग द्वारा प्री-रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन

जांजगीर। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी जांजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में प्री-प्राइमरी (बाल वाटिका) वर्ग के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में प्री-रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बाल वाटिका वर्ग के नर्सरी से लेकर कक्षा दूसरी तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अनुशासन एवं सांस्कृतिक मूल्यों की भावना को विकसित करना था। विद्यालय परिसर को तिरंगे गुब्बारों, राष्ट्रीय ध्वजों, देशभक्ति से संबंधित पोस्टरों एवं आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ प्रतीत हो रहा था। कार्यक्रम की शुरूआत में सर्वप्रथम कक्षा-नर्सरी के विद्यार्थियों ने रैम्प वॉक किया,

एल.के.जी के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत पर समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया, साथ ही पार्थिवी, उन्नति, गरिमा, दिव्यांशी द्वारा एकल गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया, यू.के.जी के विद्यार्थियों द्वारा सारे जहाँ से अच्छा गीत पर समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया, रोशेल एवं अराधना द्वारा एकल नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किया गया। कक्षा-पहली 'अ', पहली 'ब' एवं कक्षा-दूसरी के विद्यार्थियों द्वारा समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन संस्था की शिक्षिका श्रीमती सरिता प्रधान एवं रानू शर्मा द्वारा किया गया। मासूम बच्चों के उत्साह और आत्मीय भावनाओं से भरे नृत्य एवं गीत ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों को भावुक कर दिया। अभिभावकों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय के प्राचार्य प्रबंधन द्वारा बच्चों को संबोधित करते हुए कहा गया कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में बचपन से ही राष्ट्रीय चेतना, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं मंच पर प्रस्तुति देने की क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि बाल वाटिका स्तर से ही बच्चों को भारतीय संस्कृति और देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे आगे चलकर एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बन सकें। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने बच्चों को कार्यक्रम के लिए कई दिनों तक अभ्यास कराया और उन्हें मंच पर निर्भीक होकर प्रस्तुति देने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार बन पाया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को मिठाई वितरित किया गया। बच्चों के चेहरे पर खुशी और गर्व की झलक साफ दिखाई दे रही थी। पूरा विद्यालय परिसर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा और वातावरण अत्यंत उल्लासपूर्ण हो गया। इस प्रकार ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में आयोजित यह प्री-रिपब्लिक डे सेलिब्रेशन नन्हे विद्यार्थियों के लिए न केवल मनोरंजन का साधन बना, बल्कि उनमें देशप्रेम, सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ। विद्यालय परिवार द्वारा किया गया यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय है और भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक आयोजनों की निरंतरता बनी रहेगी।

कृष्ण किड्स वर्ल्ड स्कूल पाटन में बसंत पंचमी पर्व मनाया

पाटन (समय दर्शन)। कृष्ण किड्स वर्ल्ड स्कूल पाटन में बसंत पंचमी का त्यौहार बड़े हर्ष उल्लास से मनाया गया। आज के इस त्यौहार को विद्या की देवी मां सरस्वती माता की पूजा आराधना कर मनाया जाता है हर साल की तरह इस वर्ष भी यह त्यौहार आज 23/01/2026 को मनाया गया, विद्यार्थी एवं शिक्षक पीले वस्त्र धारण कर विद्यालय प्रांगण में उपस्थित हुए तो मानो ऐसा लगा मानो सरसों के खेतों में खिले सरसों के पीले फूल, विद्यालय प्रांगण मां सरस्वती जी की जय कारे के साथ विद्यालय गुंज उठा। इस कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती जी की पूजा कर शुरू हुआ। हमारे साल के प्राचार्य जी द्वारा दीप प्रज्वलित कर माता के चरणों में फूल, श्रीफल, मिष्ठान समर्पित किए। फिर विद्यार्थी सरस्वती वंदना किए एवं विद्यार्थी ने कविता पाठ की इसी कड़ी में मिस उपासना देवांगन मैडम के द्वारा विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के महत्व को साझा किया गया, तत्पश्चात दीदी ने विद्यार्थियों को प्रसाद वितरण कीए। इस कार्यक्रम में हमारे विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

धमधा क्षेत्र में अवैध शराब पर आबकारी विभाग की कार्यवाही, 40 पाव मसाला शराब के साथ एक गिरफ्तार

दुर्ग / कलेक्टर श्री अभिजीत के निर्देशानुसार जिले में अवैध मदिरा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दुर्ग जिले में आबकारी विभाग को बड़ी सफलता मिली है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री सीआर साहू के मार्गदर्शन में विभाग ने अवैध शराब के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार, 24 जनवरी 2026 को गश्त के दौरान आबकारी वृत्त धमधा की टीम को पथरिया क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री की गुप्त सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर त्वरित और विधिवत कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध स्थान पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गोविन्द साहू (64 वर्ष), निवासी पथरिया को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 40 नग पाव देसी मदिरा मसाला (प्रत्येक 180 एम.एल.) बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 7.2 बल्क लीटर बताई जा रही है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 4,000 रुपये आँका गया है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) ख एवं 34(2) के तहत गैर-जमानती प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने में विवेचना अधिकारी भोजराम रत्नाकर (आबकारी उपनिरीक्षक), मुख्य आरक्षक प्रलाद सिंह राजपूत और वाहन चालक दुर्गा प्रसाद साहू का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और विक्रय पर आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम, बीएलओ व नव मतदाताओं का हुआ सम्मान

संभागायुक्त श्री राठौर ने दिलाई मतदाता शपथ

दुर्ग/ 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री सत्यनारायण राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में मौजूद विद्यार्थियों को मतदाता शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान नवीन मतदाताओं द्वारा अधिकारियों को प्रतीकात्मक रूप से बैच लगाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संभागायुक्त श्री राठौर ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य देश में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाकर लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करे। एक-एक वोट देश की दिशा तय करता है, इसलिए जागरूक होकर ऐसे प्रतिनिधियों का चयन करें जो देश को विकास और प्रगति के पथ पर ले जाएं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जा रहा है तथा पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा जा रहा है। जिन नागरिकों का नाम मतदाता सूची में नहीं है, वे फार्म-6 के माध्यम से ऑफलाइन या ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही युवाओं से अपील की गई कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने मित्रों और पड़ोसियों को भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी बीएलओ को बधाई दी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह ने एसआईआर 2026 के दौरान शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ की सराहना की। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर 2026) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 18 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से चयनित तीन-तीन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र एवं 5000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सम्मानित बीएलओ में विधानसभा क्षेत्र 62 पाटन से श्रीमती निर्मला बघेल, सुश्री चमेली साहू एवं श्री नेपाल यादव; 63 दुर्ग ग्रामीण से श्रीमती सुनीता चन्द्राकर, श्रीमती हिमानी देवांगन एवं श्रीमती जयन्ती; 64 दुर्ग शहर से श्रीमती मधु नामदेव, श्रीमती योगिता कनौजे ।

गिरौदपुरी मेला 22 से 24 फरवरी को

रायपुर (समय दर्शन)। सतनाम पंथ के आदेशक, निर्देशक जगत गुरु विजय कुमार साहेब जी के दिशा निर्देश में छत्तीसगढ़ के राजमहंत, जिला महंत, सामाजिक कार्यकर्ताओं का अगम धाम खंडवापुरी में गुरुमाता कौशल माता जी , गुरू दीदी प्रियंका जी की गरिमामय उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। जिसमे सभी जिलों से राजमहंत, जिला महंत ,सामाजिक प्रमुख उपस्थित रहे।

गिरौदपुरी धाम संत समागम गुरु दर्शन मेला 22, फरवरी से ,24 फरवरी 2026की फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी, छठ, सप्तमी को सम्पन्न होगा ।

पूर्व वर्षो की भांति

जगतगुरु गुरु गद्दीनशीन विजयकुमार जी जगत गुरु गुरुगद्दी नशीन रूद्रकुमार जी सबसे ऊंचा जैत खाम,छातापहाड़ एवं अंतिम दिन मुख्य मंदिर, परिसर में जोड़ा जैत खाम में पालो चढ़ावा का कार्यक्रम सम्पन्न कर संत समाज को गुरुवाणी देंगे।

बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष भी मेला पूर्ण रूप से धार्मिक सामाजिक वातावरण में सामाजिक सद्भावना से गैर राजनीतिक रूप से सम्पन्न कराने अपील किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से राजमहंत दसे राम खांडे, राजमहंत राजेश्वर भार्गव, राजमहंत राजनारायण निराला, राजमहंत प्यारेलाल कोसरिया ,राजमहंत भुनेश्वर पात्रे, राजमहंत दिलीप ग्रीतलहरे, राजमहंत जे पी कोशले,राजमहंत सुन्दरसाय बंजारे, राजमहंत भवन लहरें, राजमहंत भुलाऊं राम ,चौथराम सुनहरे, दीवानदास खडकदास, जिला महंत गछराम राम बघेल , जिला महंत छबिलाल रात्रे, महंत संत सारंग, डिकेंस टंडन,छत राम अनंत ,रोहित मीरी, जिला महंत खोशनदास कोशले, के साथ सभी जिला से महंत ,संत समाज सेवी पदाधिकारियों ने भाग लिया।

जगत गुरू जी के आदेश निर्देश से विज्ञप्ति में राजमहंत पी एल कोसरिया एवं छवि रात्रे ने अपील किया है कि,मेला में देश, प्रदेश के समस्त पंथी पार्टी, ख्याति लब्ध कलाकार, चौका पार्टी,संत समाज सादर आमंत्रित हैं।

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास) जिला - बेमेतरा (छ.ग.)

Gmail ID – dpobemetara@gmail.com
दूरभाष कमांक 07824–296013

// विज्ञापन //

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास) जिला बेमेतरा के विज्ञापन क्रमांक 322 दिनांक 21.01.2026 के माध्यम से कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बेमेतरा में आरक्षण रोस्टर पद्धति अनुसार सहायक ग्रेड 03 के 01 पद अनारक्षित मुक्त एवं 01 पद अनुसूचित जाति मुक्त कुल 02 पदों की भर्ती हेतु छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों से दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 11.02.2026 सायं 05:30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला बेमेतरा में केवल रजिस्टर्ड डॉक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

विज्ञापन की विस्तृत जानकारी इस जिले के वेबसाईड www.bemetara.gov.in एवं कलेक्टोरेट, जिला पंचायत एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बेमेतरा के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

G- 252606232/2

जिला कार्यकम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला – बेमेतरा (छ.ग.)

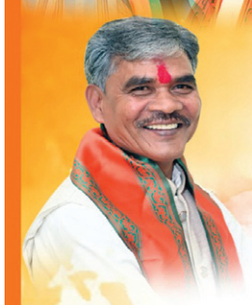

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
पूरन कश्यप
प्रधिकृत अध्यक्ष
एम.डी. मस्तके
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा थानखम्हरिया
अश्वनी साहू
समिति प्रबंधक
सेवा सहकारी समिति मर्यादित बनरांका तह.थानखम्हरिया
पंजीयन क्रमांक 360

सेवा सहकारी समिति मर्या. केवतरा
पंजीयन क्र. 364 की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
झुमुक राम साहू
प्राधिकृत अध्यक्ष
सेवा सहकारी समिति केवतरा
रोहित साहू
साखा प्रबंधक जि.स.के. बैंक साजा
शिवाकांत पाटिल
समिति प्रभारी
मनोज कुमार गुप्ता
हेमंत निर्मलकर
ताकेश्वर साहू
गुलशन साहू
अजय यदु
सौजन्य- समस्त कृषकगण सेवा सहकारी समिति केवतरा वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

ग्राम पंचायत बेलतरा की
ओर से समस्त ग्रामवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सचिव
विजय राजपुत
ग्राम पंचायत बेलतरा
सगनराम(उपसरपंच) संजय साहू, नेतुराम साहू, कांतिदेवी साहू,
दिनेश साहू, गीता बाई साहू, रुखमणी साहू, संतोष साहू, नेतराम साहू,
सविता साहू, श्रध्दा साहू, छत्रीका निर्मलकर, प्रमिला लहरे, नोहर राम साहू
सरपंच
भारती-मुकेश टंडन
विनीत-समस्त ग्रामवासी एवं ग्राम पंचायत बेलतरा वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

ग्राम पंचायत खुरुषबोड (जाम)की
ओर से समस्त ग्रामवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सचिव
किशन साहू
ग्राम पंचायत खुरुषबोड
सरपंच
नर्मदा-इतवारी जागडे
समस्त पंचगण ग्राम पंचायत
खुरुषबोड (जाम)
विनीत-समस्त ग्रामवासी एवं ग्राम पंचायत खुरुषबोड वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

सेवा सहकारी समिति मर्या.बेलतरा
पंजीयन क्र. 1235 की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
नेतराम साहू
प्राधिकृत अध्यक्ष
सेवा सहकारी समिति बेलतरा
संजय चौबे
शाखा प्रबंधक जि.स.के. बैंक ठेलका
हेमंत तिवारी
पर्यवेक्षक
चैतराम (गोकुल) साहू
प्रभारी सेवा सहकारी समिति बेलतरा
बेदराम साहू
कम्प्यूटर ऑपरेटर
बोधनारायण साहू
कम्प्यूटर ऑपरेटर
रामाधार साहू
भृत्य
गोपाल साहू
चौकीदार
अरूण निषाद
दैनिक कर्मचारी
उत्तम साहू
दैनिक कर्मचारी
सौजन्य- समस्त कृषकगण सेवा सहकारी समिति बेलतरा वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

सेवा सहकारी समिति मर्या. मोहतरा
पंजीयन क्र. 367 की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अश्वनी कुमार साहू
प्राधिकृत अध्यक्ष
सेवा सहकारी समिति मोहतरा
रोहित साहू
साखा प्रबंधक जि.स.के. बैंक साजा
मनोज कुमार वर्मा
प्रभारी समिति प्रबंधक
मुकेश सोनी
कम्प्यूटर ऑपरेटर
लालाराम साहू
निर्मल चक्रधारी
उपेन्द्र साहू
रोशन बघेल
सौजन्य- समस्त कृषकगण सेवा सहकारी समिति मोहतरा वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

सेवा सहकारी समिति मर्या. भरदा कला
पंजीयन क्र. 362 की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सनत साहू
प्राधिकृत अध्यक्ष
सेवा सहकारी समिति भरदा कला
संजय चौबे
साखा प्रबंधक जि.स.के. बैंक ठेलका
हेमंत तिवारी
पर्यवेक्षक
घनश्याम विश्वकर्मा
प्रभारी प्रबंधक
नागेन्द्र साहू
कम्प्यूटर आपरेटर
गंगा यादव
सुनील साहू
सुनील साहू
गोविंद
रेवा साहू
सौजन्य- समस्त कृषकगण सेवा सहकारी समिति भरदा कला वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

सेवा सहकारी समिति मर्या.सोमई कला
पंजीयन क्र. 363 की तरफ से समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
फागुराम साहू
प्राधिकृत अध्यक्ष
सेवा सहकारी समिति सोमई कला
संजय चौबे
शाखा प्रबंधक जि.स.के. बैंक ठेलका
हेमंत तिवारी
पर्यवेक्षक
संतोष कुमार निर्मलकर
आकाश साहू
कम्प्यूटर ऑपरेटर
रूपसिंग साहू
भृत्य
सत्यनारायण यादव
चौकीदार
रामजस साहू
लिपिक
सौजन्य- समस्त कृषकगण सेवा सहकारी समिति सोमई कला वि.ख.साजा जिला-बेमेतरा

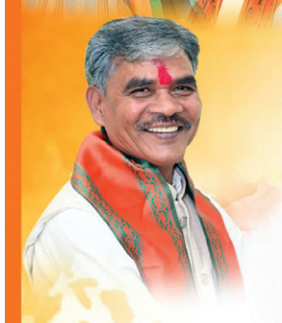

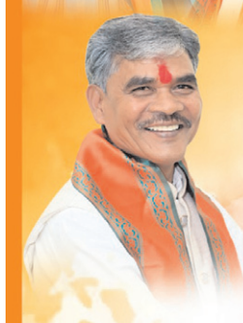

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

हेमंत कुमार साहू
प्रधिकृत अध्यक्ष

एम.डी. मस्तके
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा थानखम्हरिया

नारायण अग्रवाल
प्रभारी समिति प्रबंधक

सेवा सहकारी समिति मर्यादित दर्री तह.थानखम्हरिया
पंजीयन क्रमांक 361

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ.लव कुमार पटेल
प्रधिकृत अध्यक्ष

एम.डी. मस्तके
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा थानखम्हरिया

मोतीलाल वर्मा
समिति प्रबंधक

सेवा सहकारी समिति मर्यादित खैरझिटी कला
तह.थानखम्हरिया पंजीयन क्रमांक 1421

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
बुधारू राम साहू
प्रधिकृत अध्यक्ष
की हार्दिक शुभकामनाएं

सेवा सहकारी समिति मर्यादित देवकर तह.देवकर
पंजीयन क्रमांक 1606

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

दुखित राम साहू
प्रधिकृत अध्यक्ष

एम.डी. मस्तके
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा थानखम्हरिया

संतोष कुमार साहू
प्रभारी समिति प्रबंधक

सेवा सहकारी समिति मर्यादित खाती तह.थानखम्हरिया
पंजीयन क्रमांक 357

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

गोर्वधन पटेल
प्रधिकृत अध्यक्ष

एम.डी. मस्तके
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा थानखम्हरिया

अजय पटेल
समिति प्रबंधक

नागेन्द्र पटेल
समिति प्रभारी

सेवा सहकारी समिति मर्यादित हाट्यांका तह.थानखम्हरिया
पंजीयन क्रमांक 2523

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो एवं
समस्त कर्मचारी गण को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

टी.आर.निर्मलकर
समिति प्रबंधक केहका

बिसन साहू
प्रधिकृत अध्यक्ष

सेवा सहकारी समिति मर्यादित सल्धा तह.बेरला जिला बेमेतरा
पंजीयन क्रमांक 378

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

तोषी सिंह वर्मा
प्रधिकृत अध्यक्ष

संजय चौबे
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा ठेलका

हेमंत तिवारी
पर्ययेक्षक

शेख अकबर मोहम्मद
समिति प्रबंधक

सेवा सहकारी समिति मर्यादित कांपा तह.थानखम्हरिया
पंजीयन क्रमांक 356

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

जगदीश वैष्णव
प्रधिकृत अध्यक्ष

एम.डी. मस्तके
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा थानखम्हरिया

आशिष राजपुत
समिति प्रबंधक

सेवा सहकारी समिति मर्यादिदत थानखम्हरिया
पंजीयन क्रमांक 1111

समस्त किसानो,नागरिको एवं क्षेत्रवासियो को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

देवनारायण साहू
प्रधिकृत अध्यक्ष

जग्गुराम साहू
शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग शाखा केहका

रामजी साहू
समिति प्रबंधक केहका

सेवा सहकारी समिति मर्यादित केहका तह.साजा
पंजीयन क्रमांक 2513

समस्त क्षेत्रवासी को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

संकलनकर्ता-जीवन राम साहू
संवाददाता-समय दर्शन
मो.8889848065,7999366014

निधन : अमित श्रीवास्तव

दुर्ग। स्मृति नगर भिलाई दुर्ग निवासी प्रोफेसर अमित श्रीवास्तव उम्र 49 का शनिवार को निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार रविवार को हरनाबंधा मुक्तिधाम में किया गया. अपने पीछे दो पुत्र, पत्नी अवम भरा भूरा परिवार छोड़कर चले गए. अमित श्रीवास्तव छतीसगढ़ क्रिकेट संघ के चयनकर्ता के साथ अच्छे क्रिकेटर भी रहे है. संजय,मनीष अवम राजीव श्रीवास्तव के अनुज थे. उनके अंतिम संस्कार में शहर के कई गणमान्य नागरिकगण अवम शुभचिंतक उपस्थित थे

हवन-पूजन के साथ पंचमी पर्व मनाई गई

साजा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं हाई स्कूल दर्री में विधिवत बसंत पंचमी पर्व को धूमधाम से मनाया गया। स्कूल प्रांगण में हवन-पूजन के साथ पूजन अर्चन शुभारंभ किया गया। सभी विद्यार्थियों एवं ज्ञान साधकों को पंचमी पर्व के बारे में बताया गया। पूजन-अर्चन के पश्चात् सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्या समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27